महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धांत

Q. महाद्वीपीय विस्थापन से आप क्या समझते है। इस सिद्धांत की आलोचनात्मक व्याख्या करें।

Q. महाद्वीपीय विस्थापन की व्याख्या प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत के संदर्भ में करें। प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत किस प्रकार महाद्वीपीय विस्थापन ~~विस्थापन~~ सिद्धांत के गुणात्मक महत्व में वृद्धि करता है।

~~महाद्वीपीय~~ महाद्वीपों में होनेवाली गतिशीलता ही महाद्वीपीय विस्थापन है, हालांकि महाद्वीपीय गतिशीलता पर सर्वप्रथम विचार 1858 में एण्टोनीस्नाइडर द्वारा दिया गया। उन्होंने यह विचार यूरोप में पाये जानेवाले कोयलों की व्याख्या करने के संदर्भ में दिया। 1908 में F. B. टेलर ने रॉकी और एण्डीज की उत्पत्ति का मूल कारण अमेरिका के विस्थापन को बताया लेकिन वेगनर वह प्रथम वैज्ञानिक थे जिन्होंने महाद्वीपीय विस्थापन का वैज्ञानिक विश्लेषण प्रस्तुत किया। उन्होंने 1912 में महाद्वीपीय विश्लेषण सम्बंधी अपना प्रसिद्ध सिद्धांत दिया। हालाकी वेगनर जैसे कई समकालिन विद्वानों में कोवर, जोली, डेली, होम्स ने भूपटलीय विरूपण की व्याख्या महाद्वीपीय खण्डों के विस्थापन के संदर्भ में किया था। लेकिन वेगनर का कार्य

सही से भिन्न था क्योंकि वेगनर ने ना सिर्फ विस्थापन का कारण स्पष्ट किया वरन् विस्थापन के पक्ष में कई प्रमाण भी दिये।

वेगनर का महाद्वीपीय सिद्धांत दो प्रमुख अवधारणाओं पर आधारित है

1. प्रारम्भिक काल में सभी महाद्वीप एक साथ जुड़े हुए थे जो एक महा महाद्वीप की तरह था जिसे वेगनर ने पेंजिया कहा। यह पेंजिया निम्न घनत्व (2.5 to 2.67) से निर्मित था। भूपटल का शेष भाग महासागरीय था जो अधिक घनत्व (2.85 to 3.10) के चिपचिपे पदार्थ से निर्मित था। वेगनर ने इस चिपचिपे पिघले हुए चट्टानों से निर्मित सागर को पेंथलासा कहा। वेगनर की यह मान्यता स्वेस के इस अध्ययन पे आधारित है कि सियाल सीमा पर तैर रही है। स्वेस ने सियाल को महाद्वीपीय बताया और सीमा को चिपचिपा पदार्थों से निर्मित महासागर बताया।

वेगनर की दूसरी अवधारण यह है कि पृथ्वी के आंतरिक ऊर्जा के कारण पेंजिया में दरार उत्पन्न हुआ यह दरार पुरा जीव कल्प के मध्य (कार्बोनिफेरस काल) उत्पन्न हुआ था। इस दरार के कारण दो प्रकार के विस्थापन शक्तियों ने विभाजित महाद्वीप

को अधिक घनत्व के पथालारा पर गतिशील बना दिया। पेंजिया में विभाजन कार्बोनिफेरस काल से अधिक स्पष्ट है। वेगनर के अनुसार महाद्वीपो के विस्थापन की दो दिशाएं थी। प्रथम दिशा विषुवतरेखा की ओर अर्थात उत्तर की ओर दूसरी दिशा पश्चिम की ओर। वेगनर के अनुसार उत्तर दिशा की ओर विस्थापन गुरुत्वाकर्षण बल के कारण हुआ। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि तात्कालिन विषुवतरेखा की स्थिति दक्षिणी यूरोप के क्षेत्र में था। विषुवतरेखा की ओर विस्थापन की अवधारणा के कारण ही वेगनर ने यह स्पष्ट किया कि अफ्रीका और भारतीय प्लेट का विस्थापन उत्तर की तरफ हुआ। महाद्वीपों के पश्चिम की ओर विस्थापन के लिए वेगनर ने चंद्रमा के ज्वारीय आकर्षण को उत्तरदायी माना। इसी आधार पर उत्तर और दक्षिणी अमेरिका का विस्थापन पश्चिम की ओर माना गया क्योंकि चन्द्रमा के आकर्षण शक्ति के कारण अमेरिका पृथ्वी के घुर्णन गति से अपना सामंजस्य स्थापित नहीं कर पाया और पश्चिम की ओर इनका विस्थापन हो गया।

हालाँकि वेगनर के सिद्धांत की कई सीमाएं है लेकिन इसके बावजूद यह एक शास्त्रीय सिद्धांत

है। यह प्रमाणों पे आधारित है। विस्थापन के कारण नहीं विस्थापन का प्रमाण ही इस सिद्धांत के आधार स्तम्भ है।